

हम्मलॉय ऑफ द ईयर 2022



स्टार परफॉर्मर ऑफ द ईयर 2022



एक्सीलेंस परफॉर्मर ऑफ द ईयर 2022



राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर 2022



आजाद सिपाही वार्षिक समारोह 2022

रांची (आजाद सिपाही)। तारीख 26 नवंबर, 2022 और स्थान रांची प्रेस क्लब का सभागार। अवसर था आजाद सिपाही का वार्षिक समान समारोह का, जिसमें झारखण्ड के कोने-कोने के अलावा पश्चिम बंगाल और ओडिशा से आजाद सिपाही परिवार के सदस्य शामिल हुए। आजाद सिपाही की प्रकाशक कंपनी लैंडस्केप मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध

निदेशक राहुल सिंह, निदेशक राकेश सिंह और महाप्रबंधक पशुपति सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में टीम के सदस्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरि नारायण सिंह, स्थानीय संपादक विनोद कुमार और मुख्यालय के अन्य वरीय सहयोगियों ने अलग-अलग श्रेणियों में सहयोगियों को

सम्मानित किया। मौके पर प्रधान संपादक ने आजाद सिपाही के अब तक के सफर पर प्रकाश डाला और भविष्य की योजनाओं को रेखांकित किया। करीब चार घंटे तक चले समारोह में सम्मान पाकर सहयोगियों की खुशी का ठिकाना नहीं था। सभी ने एक स्वर से आजाद सिपाही को और अधिक मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया।



बहुमूल्य योगदान अवॉर्ड फॉर द ईयर 2022



डॉ. भिलिश कुमार हजारीबाग, अंश अनमोल हजारीबाग, धीरज पुरी दारू, दुर्गेश पांडे चौपारण, ज्योतिष पांडा टाटीझरिया, प्रभाकर पाठक बरही, अमरजीत कुमार कुजू, निर्मल महतो रजरपा, अंजनी कुमार गोला, सुदामा सिंह भद्रानी नगर, सुनील कुमार बरकाकाना, अभिषेक केशरी भरना, आदित्य सिंह पालकोट, ओड़ा जायसवाल सिसई, हिमांशु रंजन बसिया, मनोज कुमार चैनपुर, मो इलाफ डुमरी, संतोष साहू बिशुनपुर, विकाश वर्मा कामदारा, मो वारिश रायडीह, प्रसिद्ध कुमार हरिहरणज, चंदन कुमार छतरपुर, मनोज सिंह पांडी, पप्पू कुमार सतबरवा, कमलेश ठाकुर पांकी, मो कुतुबुद्दीन बरियातू बालमाथ, विनय कुमार हेरहनज, प्रफुल पांडे मुरापा, सोनू कुमार गढवा, श्याम बचन यादव संगमा, अमित कुमार मझियानव, प्रशांत सहाय बंशीधर नगर, नवीन कुमार गुप्ता भवनाथपुर, अशोक कुमार भडरिया, प्रतीक कुमार द्विवेदी खरोंधी, रविकांत चंद्रवर्णी केतार, शिव कुमार रवि रंका, बलराम शर्मा मेरेल, अरुण कुमार चौबे हरिहरपुर, कृष्ण कुमार यादव धरकी, ओंकार नाथ गोमिया, ज्ञानेंद्र सिंह बधकारे, अनिल कुमार पाठक बेरमो, सदीप कुमार फुसरे, पवन कुमार कथारा, मो वाशिम कैरो, मौ हुसैन अंसारी किसको, प्रकाश कुमार गिरिडीह, सुधीर कुमार सिन्धा गिरिडीह, सत्येंद्र मिश्र बाघमारा, संजीव समीर कोडरमा, अनुज शर्मा ओरमांझी, अनुज गुप्ता बेरो, अवधेश कुमार महतो सोनहातू, दिलीप सोनौ बुर्म, पाहुल बेदिया सिकिंदरी, मनोज साहू ठाकुरगाँव, दुर्ग बडाईक कर्स, मो एजाज रातू, मो याकुब अली पिपरावार, प्रदीप कुमार इटकी, राम प्रसाद लपुंग, सुनील गुप्ता कांके, रोहित राम बुंद, रोशन झा मुरी, कहवीया सिंह रांची, मनीष सिंह रांची डिजिटल, चंद्र प्रकाश रावत रांची, समसुल हक रांची, शंकर यादव रांची, सुनील सिंह रांची, सूरज कुमार रांची, पार्वती सिंह रांची आईटी, उज्जवल चौधरी रांची, अर्जुन सिंह रांची, सुलोचना देवी रांची।

तस्वीरें प्रदीप ताकुर की

संपादकीय

गुटबाजी के साइडलाइन

या जश्नान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गुरुवार को ग्रेस नेता सचिव पायलट के खिलाफ दिया गया आक्रमक बयान न तो अन्याय था है और न ही इसे अप्रत्याशित माना जा सकता है। इसकी टाइमिंग जल्दी कांग्रेस अलाकमान के लिए परेशानी बढ़ा करने वाली है, लेकिन इसके पीछे पार्टी में पर्दे के पीछे चलने वाली गतिविधियाँ हैं। पायलट और गहलोत दोनों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर रस्सकी के लिए उत्तरी पार्टी में उत्तरी बार और इन्हीं बड़ी उठाओं के हो चुकी हैं कि अब उसमें विस्तृत तरफ का रहस्य नहीं रहा। आश्विय की बात कुछ हो सकती है, तो वही कि दोनों गुरुंते में दुम्हों की हड़ तक जाने वाले कड़वाहट और अलाकमान की ओर से इस विवाद को समय रहते हुए करने की कोशिशों के बावजूद मस्त्य जस्ती तरफ है। यह पायलट को यह जानकारी द्ये सकती है कि कथित तौर पर अलाकमान का बाबराह आश्वासन मिलने के बाद भी सीधे पद से उनकी दूरी कम होने का नाम नहीं ले रही, वहीं गहलोत की यह आशंका भी निराधार नहीं है कि मौका मिलते ही पायलट कांग्रेस नेतृत्व के संरक्षण से उनकी कुसी छीन सकते हैं। अब जब गहलोत गांधी की भारत जाड़ा यात्रा राजस्थान में प्रवेश करने वाली है, तब वो दिन पहले गुरुवर नेता विजय सिंह बैसला ने पायलट

गहलोत ने अपने आक्रमक बयान के जरिये अपने समर्थकों को ही नहीं, विशेषज्ञों को भी आगाह कर दिया कि वह किसी भी प्रतिकूल फैसले को खानी से स्वीकार नहीं करेगा। दरअसल राजस्थान का विवाद कांग्रेस नेतृत्व के लिए इधर कुआं, ऊपर खाई की दिशा साथित हो रहा है।

साथ पायलट भी भारत जाड़ा यात्रा में शामिल हुए। इसके कुछ हल्के दिनों में संभवतः अब पार्टी में सर्वोच्च स्तर पर पायलट के पक्ष में फैसला हो जायेगा। ऐसे में गहलोत ने अपने आक्रमक बयान के जरिये अपने समर्थकों को ही नहीं, विरोधियों को भी आगाह कर दिया कि वह किसी भी प्रतिकूल फैसले को खानी से स्वीकार नहीं करेगा। दरअसल राजस्थान का विवाद कांग्रेस नेतृत्व के लिए इधर कुआं, ऊपर खाई की दिशा साथित हो रहा है। भारत जाड़ा यात्रा के राजस्थान पार करने से पहले कोई भी फैसला उस पर विरोध प्रभाव डालेगा। इसके अलावा अशोक गहलोत गुरुराह विधानसभा चुनावों के प्रभारी हैं। उस लिहाज से भी तकाल उनके खिलाफ किया गया कोई फैसला ठीक नहीं होगा। राजस्थान विधानसभा चुनाव भी अलावे साल ही होने हैं। ऐसे में अब नेतृत्व परिवर्तन करना है, तो उस लिहाज से भी दो करना घातक हो सकता है, लेकिन अगर कुछ न किया जाये तो उसके भी अपने नुकसान हैं व्यापक पायलट सीधे पद से कम किसी भी चीज पर संतुष्ट होंगे, इसके असार नहीं दिख रहे। कुल मिला कर राजस्थान विवाद कांग्रेस नेतृत्व के लिए ऐसी भूलभुलौंगी बच चुका है, जिससे निकलने का कोई रास्ता उसे नजर नहीं आ रहा।

अभिमत आजाद सिपाही

आतंकवाद के प्रति समान शून्य सहनशीलता दृष्टिकोण का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ देश आतंकी समूहों को राजनीतिक, वैधानिक और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं और कठी-कठी इसके खिलाफ कार्रवाई को दोकाने के लिए आतंकवाद के समर्थन में अप्रत्यक्ष व्यवस्था करते हैं। आतंकवाद का समर्थन करने वाले दो प्रमुख देश यानि और पाकिस्तान हैं।

हरि जयसिंह

भारत के 2 शीर्ष नेताओं ने 2 प्रमुख चिंताओं को राष्ट्रीय फोकस में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि जहां कुछ देश 'अपनी विदेश नीति के हिस्से के रूप में' आतंकवाद का समर्थन करते हैं वहीं अन्य 'आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को रोक कर' ऐसा करते हैं। इस संदर्भ में मोदी ने कहा है कि ऐसे देशों पर एक लागत लगायी जानी चाहिए। मगर विवादास्पद बिंदु है कि यह कैसे संभव है? यह एक आसान लक्ष्य नहीं है। हाल ही में नवी दिल्ली में हुए एक सम्मेलन में प्रधानमंत्री के भाषण का शीर्षक 'नै मनी फॉर ट्रैर' था, जिसमें 72 देशों और 15 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया था।

आतंकवाद के प्रति समान शून्य सहनशीलता दृष्टिकोण का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ देश आतंकी समूहों को राजनीतिक, वैश्विक और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं और कभी-कभी इसके लिए खिलाफ कार्रवाई को रोकने के लिए आतंकवाद के समर्थन में अप्रत्यक्ष व्यवस्था करते हैं।

आतंकवाद का समर्थन करने वाले दो प्रमुख देश चीन और पाकिस्तान हैं। टेरर फॉर्डिंग पर हुए सम्मेलन में ये दोनों देश नदरद थे। नरेंद्र मोदी ने सही ही कहा था कि देशों को मिल कर कट्टरवाद और उग्रवाद की समस्या का समाधान करना चाहिए और कहा कि आतंकवाद का समर्थन करते हैं और कभी-कभी इसके लिए खिलाफ कार्रवाई को रोकने के लिए आतंकवाद के समर्थन में अप्रत्यक्ष व्यवस्था करते हैं।

आतंकवाद का समर्थन करने वाले दो प्रमुख देश चीन और पाकिस्तान हैं। टेरर फॉर्डिंग पर हुए सम्मेलन में ये दोनों देश नदरद थे। नरेंद्र मोदी ने सही ही कहा था कि देशों को मिल कर कट्टरवाद और उग्रवाद की समस्या का समाधान करना चाहिए और कहा कि आतंकवाद का समर्थन करते हैं और कभी-कभी इसके लिए खिलाफ कार्रवाई को रोकने के लिए आतंकवाद के समर्थन में अप्रत्यक्ष व्यवस्था करते हैं।

जो कोई भी कट्टरवाद का समर्थन करता है तो उसके देश में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इस निनीति पर मोदी के प्रस्ताव पर कर्कोई भी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए एक दृष्टिकोण है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए '5 स्वंभों' की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि आतंकी विवाद की उत्तराधिकारी विवाद के लिए 5 स्वंभों की रणनीति का सुझाव दिया है।



बैशक वैश्विक आतंकवाद से लड़ने में अमेरिका का अपना एक एजेंडा है। यह सच है कि वाशिंगटन वैश्विक अभियान का एक बहुत बड़ा हिस्सा है, फिर भी अमेरिका की रणनीतियों और भू-राजनीतिक व तेल हिंदू के साथ आतंकवाद पर भारतीय दृष्टिकोण का शायद ही कोई एकीकरण है।

भू-राजनीति अब तक संगत आधार पर संचालित नहीं होती है। परिवर्तन पर भी अपने नेताओं को कहा है कि उनके देश आतंकवाद के समर्थन में अप्रत्यक्ष व्यवस्था करते हैं।

अपनी ताकत के साथों का इस्तेमाल किया है यह वास्तव में एक महान विरोधाभास है। यहां सचाल यह नहीं है कि कौन अपने नेताओं की ओर समर्थक मुद्राएं बना रहा है। वास्तव में मुद्रे प्रकृति में मौलिक हैं, जिसके सही उत्तर पर मानव सभ्यता निहित है।

शायद अमेरिकी वैश्विक आतंकवाद के हाथों वर्षों तक एक साथ पीड़ित रहने के बाद भारतीय दृष्टिकोण मूल रूप से पाकिस्तान के उन भारतीयों से कुछ सबक सीखा होगा, जिन्होंने आतंकवाद के साथ जीना समर्थन किया है। शायद अमेरिका को आतंकवाद से जीर्ण निर्देश दिलाने के बाद भारतीय दृष्टिकोण में बहुत बदलाव के दौर से जुरु रहा है। यह एक वैश्विक आतंकवाद के लिए एक अपेक्षित रहने के बाद भारतीय दृष्टिकोण में बदलाव के दौर से जुरु रहा है। यह एक वैश्विक आतंकवाद के लिए एक अपेक्षित रहने के बाद भारतीय दृष्टिकोण में बदलाव के दौर से जुरु रहा है।

जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य दृष्टिकोणों में इस्लामाबाद व्याप्रेजित आतंकवाद के अन्यान्य दृष्टिकोणों से काफी अलग है।

जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य दृष्टिकोणों में इस्लामाबाद व्याप्रेजित आतंकवाद के अन्यान्य दृष्टिकोणों से काफी अलग है।

जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य दृष्टिकोणों में इस्लामाबाद व्याप्रेजित आतंकवाद के अन्यान्य दृष्टिकोणों से काफी अलग है।

जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य दृष्टिकोणों में इस

ધનબાદ/બોકારો/બેરમો

મહત્વપૂર્ણ ચૂંઝ

વિધાનસભા અધ્યક્ષ રવિંદ્ર નાથ મહતો ને લિયા સંજ્ઞાન, સાત સાલ બાદ ગેંડા રજવાર કો અબ મિલેગા પેશન ઔર રાશન

બેરમો (આજાદ સિપાહી) | જેરિંધી બજાર નિવાસી સામાજિક કાર્યકર્તા વિકાસ કુમાર ગુમા અપને કાર્યોં સે મેંસા સુખિયો મં રહેતો હૈ। ઇસી કે તહે ચંદ્રનગરની પદ્ધતિની પચાયત કો 67 વર્ષીય



વૃદ્ધ ગેંડા રજવાર કે પણ કા વિધાન હોને કે બાદ ઉનકા ભરણ પોણ કર્ને વાલા કરીની નહીં હૈ। પેંશન વ શરણ કે લિએ સરકારી બાબુઓને કે દરવાજે ખરુખાતો રહ ગઈ, લેનીન અસ્વાર ને ગેંડા રજવાર કી આપીવી કો છાપ જિસકે બાદ સામાજિક કાર્યકર્તા ને અભયાસ કરી કરતાં કો લેનીન રાખ્યાની વિધાનસભા અધ્યક્ષ રવિંદ્ર નાથ મહતો કો ટ્રેવીટ કર અવગત કરાયા। સ્પોર્ટ ને મામલે કો સંજ્ઞાન મેં લેનીન બોકારો ડીસી કો મદદ કા નિર્દેશ દિએ। વર્હા, ડીસી ને મામલે કો સંજ્ઞાન મેં લેને સર્વાધિત વીચીઓ કો નિર્દેશન કિયા થા। ગેંડા દેવી સે પ્રખંડ ટીમ વિનિયોગ કર્યા કરી અધાર કાર્ડ કે લિએ નિર્બંન કરવા દિયા હૈ। આધાર નંબર કરી હોને કે બાદ ઉન્ને સર્વાધિત પેશન યોજના/શરણ કાર્ડ આદિ સે આચ્છાદિત કિયા જાયા। જિસકે બાદ પણ હૈવીકર ઉન્કી સે સમસ્યા કો જાના ઔર પેશન વ શરણ કો પ્રક્રિયા શરૂ કર રીતી

બેનિંદીન સાડાંડિંગ ગોલીકાડ મેં સીઆઇએસએફ જવાનોને પર હત્યા કા મામલા દર્જ, જાંચ શરૂ

મહદુ (આજાદ સિપાહી) | બેનિંદીન સાડાંડિંગ ગોલીકાડ મામલે મેં અંત: બાળમારા પુલિસ ને મુત્કત પ્રીતમ નોનિયાં કી પણી સાનિયા દેવી કે લિખિત શિક્ષાયત પર અંતા સીઆઇએસએફ જવાનોને વિશ્વદૂ હત્યા કા મામલા દર્જ કર રિયાની હૈ। પુલિસ ને ગોલીકાડ ઘણા કે બાદ જવાનોને કે હથિયા વ ખોખ્યા જદ્વા કિયા થા। ફિલ્મલાં માર્ગ રાખ્યા કે ઘર પણ હૈવીકર ઉન્કી સે સમસ્યા કો જાના ઔર પેશન વ શરણ કો પ્રક્રિયા શરૂ કર રીતી

બીએસએલ મેં મનાયા ગયા સંવિધાન દિવસ

બોકારો (આજાદ સિપાહી) | સ્ટીલ પ્લાટ મેં શનિવાર કો સંવિધાન દિવસ મનાયા ગયા। ઇસ અસરૂપ રાત ભવન સિંથિત કર્યા હૈ।



કષે મેં કાર્યકરી અધિકારીની નિદેશક (કમિશિક એવં પ્રશાસન) બીએસએલ અધિકારીઓની શપથ કે લિદાઈની। કસ કાર્યકરી મેં મુખ્ય મહાપ્રબંધક (એચએડી) મનીષ જાલોટા, મુખ્ય મહાપ્રબંધક (આઈડી) એ બનિયા આદિ ઉપરિયત થે।

સંવિધાન દિવસ કે દિન ભાક્પા માલે ને મનાયા પ્રતિવાદ દિવસ, કેંદ્ર સરકાર કે ખિલાફ જાહિર કી નારાજગી

વિરુદ્ધ (આજાદ સિપાહી) | બાળમારા ગોલીકાડ સે નારાજ ભાક્પા માલે ને શનિવાર કો સંવિધાન દિવસ પર નિરસા મેં પ્રતિવાદ દિવસ મનાયા। મોકે પર ઉપરિયત રાજ્ય કેંદ્રીય સંદર્ભ નાગેડ કર્માન કે કથા કી ઇસ દિન પૂરે દેશ મેં સંવિધાન દિવસ મનાયા જા રહા હૈ। લેનીન ઉસ સંવિધાન કો કેંદ્ર કી ભાજપા સરકાર બર્બાદ કરને પર તુલી હૈ। જિસકે ખિલાફ દેશ કે સંવિધાન પરંદે લોગ લાંદાં લાંદ રહે હૈનું। સંવિધાન દિવસ કે અવસર પર સંવિધાન ઓન્ટોસાની કો સંકલ્પન લેવે કી જરૂર હૈ। ઇસ મોકે પર કુણ્ણ સિંહ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, સુલીલ ગિરિ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, કાશી કોયરી, ચંચાન માણી, સંજીત રાજીત, સંજીત સિંહ, તારકનાથ માણી, રાજેશ મહાની, રામલાલ ભારતી, બજરણી પાસવાન ઔર આરિફ ખાન આદિ શામિલ થે।

કોયલાંચલ ધનબાદ મેં શાખ સંકલ્પ કે સાથ મનાયા ગયા સંવિધાન દિવસ

સંવિધાન કે પ્રતિ નિષ્ઠા રહ્યા હુમ સભી કો કર્તવ્ય : પ્રધાન જિલા જા

ડીસી સંદીપ સિંહ કી અધ્યક્ષતા મેં અધિકારીઓને કિયા જાયા સંવિધાન કો વાચન આજાદ સિપાહી સંવાદદાતા

ધનબાદ | ભારતીય સંવિધાન કી શપથ ઉસમાં કો આપી કે લિખિત શિક્ષાયત પર અંતા સીઆઇએસએફ જવાનોને વિશ્વદૂ હત્યા કા મામલા દર્જ કર રિયાની હૈ। કથી કો એંડી



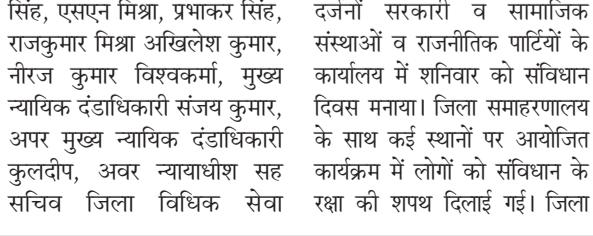
ભારતીય સંવિધાન દિવસ પર કોન્સ્ટ્રોક્સ કાર્યાલય મેં શાખ લેવે કી જરૂર હૈ। ઇસ મોકે પર કુણ્ણ સિંહ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, સુલીલ ગિરિ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, કાશી કોયરી, ચંચાન માણી, સંજીત રાજીત, સંજીત સિંહ, તારકનાથ માણી, રાજેશ મહાની, રામલાલ ભારતી, બજરણી પાસવાન ઔર આરિફ ખાન આદિ શામિલ થે।



ભારતીય સંવિધાન દિવસ પર કોન્સ્ટ્રોક્સ કાર્યાલય મેં શાખ લેવે કી જરૂર હૈ। ઇસ મોકે પર કુણ્ણ સિંહ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, સુલીલ ગિરિ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, કાશી કોયરી, ચંચાન માણી, સંજીત રાજીત, સંજીત સિંહ, તારકનાથ માણી, રાજેશ મહાની, રામલાલ ભારતી, બજરણી પાસવાન ઔર આરિફ ખાન આદિ શામિલ થે।



ભારતીય સંવિધાન દિવસ પર કોન્સ્ટ્રોક્સ કાર્યાલય મેં શાખ લેવે કી જરૂર હૈ। ઇસ મોકે પર કુણ્ણ સિંહ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, સુલીલ ગિરિ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, કાશી કોયરી, ચંચાન માણી, સંજીત રાજીત, સંજીત સિંહ, તારકનાથ માણી, રાજેશ મહાની, રામલાલ ભારતી, બજરણી પાસવાન ઔર આરિફ ખાન આદિ શામિલ થે।



ભારતીય સંવિધાન દિવસ પર કોન્સ્ટ્રોક્સ કાર્યાલય મેં શાખ લેવે કી જરૂર હૈ। ઇસ મોકે પર કુણ્ણ સિંહ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, સુલીલ ગિરિ, જાંશેરંજન મલિક, ડેંડે સિંહ, જગદીશ શર્મા, કાશી કોયરી, ચંચાન માણી, સંજીત રાજીત, સંજીત સિંહ, તારકનાથ માણી, રાજેશ મહાની, રામલાલ ભારતી, બજરણી પાસવાન ઔર આરિફ ખાન આદિ શામિલ થે।

સચિવ ને બોકારો સમાહરણાલય કે લિએ ચિહ્નિત ભૂમિ કા કિયા નિરીક્ષણ

ચાસ વાટર ટ્રીટમેંટ પ્લાંટ કે નિર્મણ કે કામ મેં તેજી લાયે : વિનય ચૌબે

| નિર્મણાલીની પીએમ આવાસ યોજાવ વ અન્ય યોજાની કો લિયા જાયા આજાદ સિપાહી સંવાદદાતા



બોકારો | ચાસ નગર નિગમ દ્વારા સંચાલિત વિ

